ईक दुनी दो ते दो दुनी चार

ईक दुनी दो ते दो दुनी चार,
हर वेले वंडदी माँ बच्चियां नु प्यार,
ईक दुनी दो ते दो दुनी चार.....

तीन दूनी छ ते चार दूनी आठ,
बच्चियां दे दुखड़े रानी माँ देवे कट,
सच्चे दिलों जो भी आ जावे माँ दे द्वार,
ईक दुनी दो ते दो दुनी चार.....

पंज दूनी दस ते छ दूनी बारह,
झंडेवाली माँ नु अपना हर बच्चा प्यारा,
भावे कोई फ़कीर होवे भावे शुंकार,
ईक दुनी दो ते दो दुनी चार.....

सत दूनी चौदह ते आठ दूनी सोलह,
दिल दी गल मईया जी मैं किहदे नाल खोला,
मैं ता सुनया तू सुनदी सबदी पुकार,
ईक दुनी दो ते दो दुनी चार.....

नौ दूनी अठारह ते दस दूनी बीह,
चरणा विच वगदी गंगा तू रञ्ज रञ्ज के पी,
चल विजय चलिए माँ वैष्णो दे द्वार,
ईक दुनी दो ते दो दुनी चार.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27828/title/ik-duni-do-te-do-duni-char

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |